दिनांक 28.04.2025 को जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में आयोजित जल जीवन मिशन "हर घर नल से जल योजना" के कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक की कार्यवृत्त

दिनांक 28.04.2025 को जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार– गोण्डा में अपरान्ह 04.30 बजे से प्रारम्भ हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, गोण्डा, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी के साथ–साथ अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), गोण्डा, टीम लीडर, टी.पी.आई. गोण्डा, जिला समन्वयक, डी.पी.एम.यू., गोण्डा व अन्य सम्बन्धित फर्म मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो, चेन्नई, जनपद गोण्डा तथा फेज–V हेतु के.एल. एस.आर.–रेज(जेवी.) के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्य प्रारम्भ की स्थिति :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 782 नग परियोजनाओं के सापेक्ष मात्र 748 नग परियोजनाओं में कार्य प्रारम्भ किया गया, अवशेष परन्तु 34 नग परियोजनाओं में से 18 नग परियोजनाओं के जलकल स्थल विवादित होने के कारण कार्य प्रारम्भ नहीं किया जा सका है। शेष 8 नग परियोजनायें नगर में सम्मिलित, 03 नग परियोजनाओं पर कोर्ट स्टे तथा 05 परियोजनाओं पर लो–लैण्ड होने के कारण कार्य प्रारम्भ की कार्यवाही नहीं की जा सकी है। मेसर्स के.एल.एस.आर.–रेज (जे.वी.) द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं के सापेक्ष मात्र 141 नग परियोजनाओं में कार्य प्रारम्भ किया गया, अवशेष परन्तु 01 नग परियोजनाओं के जलकल स्थल विवादित होने के कारण कार्य प्रारम्भ नहीं किया जा सका है।

बैठक में उपस्थिति अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गयी कि जहां पर जलकल स्थल विवादित/अनुपलब्धता है तो उसे शीघ्र निस्तारण कराते हुए कार्य प्रारम्भ करायें तथा जहां पर जलकल स्थल विवाद की स्थिति नहीं है वहां पर एक सप्ताह के अन्दर कार्य प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें।

नलकूप बोरिंग का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 782 परियोजनाओं में लक्षित 773 नग नलकूपों के सापेक्ष मात्र 719 नग नलकूपों के छिद्रण का कार्य पूर्ण किया गया है। कुल छिद्रित नलकूपों में से मात्र 686 नग नलकूपों पर कम्प्रेषर एवं ओ.पी. यूनिट का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा मे0 के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में लक्षित 146 नग नलकूपों के सापेक्ष मात्र 141 नग नलकूपों के छिद्रण का कार्य पूर्ण किया गया है। कुल छिद्रित नलकूपों में से मात्र 140 नग नलकूपों पर कम्प्रेषर एवं ओ.पी. यूनिट का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

नलकूप बोरिंग के कार्यों की प्रगति संतोषजनक पायी गयी। बैठक में उपस्थिति अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गयी कि नलकूपों के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

वितरण प्रणाली का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 782 नग परियोजनाओं में 11898 किमी. वितरण प्रणाली के सापेक्ष 7916 किमी. वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य किया गया है तथा मेसर्स के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में 2667 किमी. वितरण प्रणाली के सापेक्ष 1965 किमी. वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य किया गया है।

– –2

Scanned with OKEN Scanner

वितरण प्रणाली बिछाने के कार्यों में मे0 लारसेन एण्ड टूब्रो की प्रगति काफी धीमी है। बैठक में उपस्थिति अधिशासी अभियता एवं फर्म के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गयी कि वितरण प्रणाली के लक्ष्य को शीघ्र गुणवत्ता पूर्ण प्राप्त करते हुए वितरण प्रणाली बिछाने हेतु काटी गयी सड़कों के पुर्नस्थापना का कार्य गुणवत्ता पूर्वक कराया जाना सुनिश्चित करें।

एफ.एच.टी.सी. का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 782 नग परियोजनाओं में लक्षित 340097 नग एफ.एच.टी.सी. के सापेक्ष मात्र 307472 नग एफ.एच.टी.सी. का कार्य किया गया है तथा मेसर्स के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में लक्षित 87619 नग एफ.एच.टी. सी. के सापेक्ष मात्र 57216 नग एफ.एच.टी.सी. का कार्य किया गया है। अवशेष हाउस कनेक्शन (एफ.एच.टी.सी.) के कार्य को समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

पम्प हाउस का निर्माण का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 782 नग परियोजनाओं में लक्षित 773 नग पम्प हाउस के सापेक्ष मात्र 575 नग पम्प हाउस का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर मात्र 397 नग पम्प हाउस का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा मेसर्स के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में लक्षित 146 नग पम्प हाउस के सापेक्ष मात्र 129 नग पम्प हाउस का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर मात्र 102 नग पम्प हाउस का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। अवशेष पम्प हाउस का कार्य शीघ्र प्रारम्भ कराते हुए गुणवत्ता पूर्वक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

शिरोपरि जलाशय का निर्माण का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 782 नग परियोजनाओं में लक्षित 761 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष मात्र 523 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य प्रारम्भ कर 152 नग शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है तथा मेसर्स के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में लक्षित 142 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष मात्र 108 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य प्रारम्भ कर 04 नग शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है।

शिरोपरि जलाशय के निर्माण की प्रगति अत्यन्त खराब है जिस हेतु फर्म के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि लेबर एवं मशीनरी इत्यादि बढ़ाते हुए प्रगति में सुधार लाना सुनिश्चित करें अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्यवाही हेतु बाध्य होना पड़ेगा जिसके लिए उत्तरदायी आप स्वयं होगें।

गत समीक्षा बैठक में फर्मो को निर्देशित किया गया था कि आवश्यक टी.एण्ड पी. एवं लेबर की संख्या बढ़ाकर लक्ष्य को समय से प्राप्त करना सुनिश्चित करें। फर्म के प्रतिनिधियों द्वारा प्रत्येक बैठकों में यह आश्वासन दिया जाता रहा है कि आवश्यक टी.एण्ड पी. एवं लेबर बढ़ाकर लक्ष्य को प्राप्त कर लेगें। लेकिन बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में टी.एण्ड पी. एवं लेबरों की संख्या में बढ़ोत्तरी नहीं की गयी। जिससे वर्तमान तक भौतिक प्रगति में वांछित वृद्धि परिलक्षित नहीं हो रही है।

– –3

Scanned with OKEN Scanner

बैठक में उपस्थिति फर्म के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने मशीनरी तथा Manpower को बढ़ाकर कार्यों में तेजी लायें तथा जिन योजनाओं में एफ.एच.टी.सी. एवं पाइप लाइन का कार्य शतप्रतिशत पूर्ण कर लिये गये हैं उन योजनाओं में तोड़ी/खोदी गयी सड़कों के पुर्नस्थापना का कार्य गुणवत्ता पूर्वक कराना सुनिश्चित करें जिससे आमजनमानस को आवागमन में बाधा उत्पन्न न हो। अधिशासी अभियन्ता को निर्देश दिया गया कि योजनाओं की निरन्तर मानिटरिंग करते हुए प्रगति में सुधार लाना सुनिश्चित किया जाये। प्रगति में सुधार परिलक्षित नहीं होने की दशा में अनुबन्ध की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत फर्म विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करायें, जिसकी पूर्ण जिम्मेदार फर्म की होगी।

लक्षित/पूर्ण परियोजनाओं की प्रगति असंतोषजनक पायी गयी जिस हेतु अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि लक्ष्य की प्राप्ति हेतु युद्धस्तर पर कार्य कराना सुनिश्चित करें।

Third Party Inspection(TPI) द्वारा किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि पेयजल परियोजनाओं का निरीक्षण किया जाता है उसकी अनुपालन आख्या प्रेषित नहीं की जाती, जिससे यह ज्ञात नही हो पाता है कि पायी गयी कमियों का निस्तारण फर्म द्वारा किया जा चुका है अथवा नहीं। टी.पी.आई. को निर्देशित किया गया कि अनुपालन आख्या अधिशासी अभियन्ता के माध्यम से मुख्य विकास अधिकारी को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

(नेहा शर्मा)
जिलाधिकारी,
गोण्डा।

कार्यालय जिलाधिकारी, गोण्डा।

पत्रांक: 1207/ M-50 /03 दिनांक: 06/05/2025

प्रतिलिपि:– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:–

1. प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
2. अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
3. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), गोण्डा।
4. मुख्य विकास अधिकारी–गोण्डा।

अधिशासी अभियन्ता,
खण्ड कार्यालय,
उ0प्र0 जल निगम,(ग्रामीण),
गोण्डा।

Scanned with OKEN Scanner